मूल्यांकन के उपकरण व प्रविधियाँ

मूल्यांकन प्रविधि वह प्रविधि है जिसके द्वारा बालक के ज्ञान व व्यवहार में हुए परिवर्तनों तथा उसकी व्यक्तिगत विशेषताओं की जाँच की जाती है।

डा. बी. एस. ब्लूम के अनुसार - "अच्छी मूल्यांकन प्रविधि वह है जिसमें व्यवहार के वांछित परिवर्तन के वैध परिणामों को प्राप्त करने की क्षमता हो। बालक के व्यवहार में हुए परिवर्तनों को किसी एक प्रविधि द्वारा जाँचा नहीं जा सकता है, अपितु उसकी जाँच करने के लिए विभिन्न प्रविधियों का प्रयोग किया जाता है। अतः मूल्यांकन के विभिन्न प्रविधियों का समावेश रहता है क्योंकि मूल्यांकन का प्रत्यक्ष सम्बन्ध शैक्षिक उद्देश्यों से होता है मूल्यांकन अनेक उद्देश्यों से किया जाता है तथा उद्देश्यों के अनुरूप ही मूल्यांकन के उपकरण भी परिवर्तित होते रहते हैं।

राइटस्टोन ने लिखा है - "आधुनिक मूल्यांकन में जाँच की विधि रीतियाँ, उपलब्धि अभिवृत्ति, व्यक्तित्व, चरित्र सम्बन्धी परीक्षण क्रम निर्धारण मान, प्रश्नावली, प्रतिक्रिया के निर्णय मान, साक्षात्कार, नियन्त्रित निरीक्षण रीतियाँ समाजमितीय विधियों तथा घटनावृत्त का प्रयोग होता है।

मूल्यांकन के उपकरण व प्रविधियों का वर्गीकरण-

सुविधा की दृष्टि से मूल्यांकन के अनेक उपकरणों को चार वर्गों में विभाजित किया जा सकता है। जिसका वर्णन निम्नलिखित प्रकार से है-

मूल्यांकन के उपकरण व प्रविधियाँ-

- **परीक्षण प्रक्रियाएँ (Testing Procedures)**
  - 1- लिखित, मौखिक व प्रयोगात्मक परीक्षाएँ
  - 11- बुद्धि, सृजनात्मकता, रुचि, मूल्य, व्यक्तित्व अभिक्षमता आदि परीक्षण
- **स्वयं आलेख प्रविधियाँ (Self Techniques)**
  - 1- प्रश्नावली
  - 11- आत्मकथा
  - 111- व्यक्तिगत डायरी
  - 1V- साक्षात्कार
  - V- वार्तालाप
- **निरीक्षणात्मक प्रविधियां (Observation Methods)**
  - 1- जाँच सूची
  - 11- निर्धारण मापनी
  - 3- वृत्तान्त अभिलेख
  - 4- समाजमितीय विधि
  - 5- अनुमान विधि
  - 6- संचयी अभिलेख
- **प्रक्षेपण प्रविधियाँ Projection methods**
  - 1- टी॰ए॰टी॰
  - b- सी॰ए॰टी॰
  - c- रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण
  - d- वाक्य पूर्ति परीक्षण
  - e- शब्द साहचर्य विधि